संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-265 शुक्रवार,26 जुलाई 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

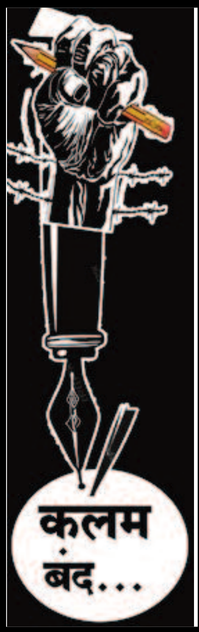

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

रेफर सेंटर हो चुका है जिला अस्पताल बैकुंठपुर:भईयालाल

» कोरिया में स्वास्थ्य की दुर्दशा पर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने विधानसभा में पूछा सवाल...

» डॉक्टर घर पर बैठकर कर रहे ईलाज...विधायक का बड़ा आरोप...

» विशेषज्ञ चिकित्सक और अन्य स्टॉफ की कमी को भी गिनाया...

» राज्य के कई जिलों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विधायकों ने उठाया मुद्दा...

» ईलाज वाले बाबा भईयालाल राजवाड़े को बनाया जा सकता था स्वास्थ्य मंत्री...

» मंत्रिमंडल पुनर्गठन की सुगबुगाहटों पर समर्थकों में है उत्साह...

श्री श्याम बिहारी जायसवाल

श्री भईया लाल राजवाड़े

फोटो फाईल

-रवि सिंह-

सरगुजा/रायपुर, 25 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के द्वारा जब स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर खबरों का प्रकाशन किया जा रहा था तब स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने आवाज दबाने के लिए अखबार को मिलने वाले विभागीय विज्ञापनों पर रोक लगवा दिया लेकिन बुधवार को विधानसभा सत्र के दौरान बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े समेत अन्य सदस्यों ने स्वास्थ्य सुविधा की कमी को लेकर आवाज उठाया। भईयालाल राजवाड़े ने सीधा आरोप लगाया है कि कोरिया जिला अस्पताल रेफरल सेंटर हो चुका है। डॉक्टर घर पर ही बैठकर ईलाज कर रहे हैं, कई सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बिगड़ी स्वास्थ्य सुविधा की पोल खोल दी है।

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद प्रदेश में मंत्रिमंडल पुर्नगठन की खबरें लगातार आ रही हैं । जब भी प्रदेश के मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा होता है तो दावेदारों की धड़कने भी बढ़ जाती है। पूरे प्रदेश की नजर पुर्नगठन पर टिकी हुई है तो वहीं अब बैकुंठपुर विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े को प्रदेश का स्वास्थ्य मंत्री बना दिया जाए ऐसा उनके समर्थकों का मानना है। समर्थकों का दबी जुबान से कहना है कि जिस प्रकार प्रदेश भर में स्वास्थ्य सुविधा बदहाल दिखलाई दे रही है उसे ईलाज वाले बाबा के नाम से मशहूर भईयालाल राजवाड़े ही ठीक कर सकते हैं।

सदन में विधायक ने पूछे सवाल...खोली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल...

बुधवार को सत्र में प्रश्नकाल के दौरान विधायक भईयालाल राजवाड़े ने कहा कि मेरा सवाल स्वास्थ्य मंत्री से है मैं उस बारे में बहुत चिंता करता हूं और स्वास्थ्य मंत्री को चिंता कराने के लिए खड़ा हुआ हूं। उन्होंने सवाल किया कि बैकुंठपुर जिला अस्पताल में सेटअप की जानकारी मांगी जिसमें भरे और रिक्त पदों की जानकारी, उनकी क्षमता और वर्तमान में और किन - किन पदों के स्टॉफ की आवश्यकता है। विगत दो वर्षो में कितने मरीज अस्पताल में भर्ती किए गए तथा कितने मरीजों को अन्य अस्पताल में भेजा गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में माना...बनी हुई है कमी...

प्रश्नों का जवाब देते हुए मंत्री ने बताया कि बैकुंठपुर जिला अस्पताल में सिविल सर्जन से लेकर विभिन्न स्टाफ के 188 पद स्वीकृत हैं, उनके विरूद्ध 111 लोग कार्यरत हैं एवं 77 पद रिक्त हैं। 77 रिक्त पदों की तुलना में 98 पदों को जीवनदीप समिति,डीएमएफ और एनएचएम से भरे होने की जानकारी दी गई। विशेषज्ञ डॉक्टरों के 6 पद और चिकित्सा अधिकारी के 9 पद रिक्त होने की जानकारी दी है। भर्ती और रेफर मरीजों के बारे में बतलाया गया कि 2022-23 में 19821 मरीज आए जिनमें से 1410 रेफर किया गया। 2023 -24 में 20103 मरीज आए जिनमें से 1941 मरीज रेफर किये गए। इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 5318 मरीज आए जिनमें से 481 मरीजो को रेफर करने की जानकारी खुद स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में दी। 10 प्रतिशत मरीजों को जिला अस्पताल बैकुंठपुर से रेफर करने की जानकारी दी गई।

भईयालाल राजवाड़े ने कमी बतलाते हुए सवालों का किया बौछार

स्वास्थ्य मंत्री के जवाब के बाद सदन में भईयालाल राजवाड़े ने कहा कि जिला अस्पताल बैकुंठपुर में 188 नही 187 पद स्वीकृत है,111 कार्यरत और 76 रिक्त हैं। सिविल सर्जन 1 रिक्त है,चिकित्सक प्रथम श्रेणी 13 में से 7 भरा एवं 6 रिक्त है। चिकित्सा अधिकारी 25 पद में 16 भरे एवं 9 रिक्त है। श्री राजवाड़े ने आरोप लगाया कि इतने पद खाली हैं इसलिए मरीज रेफर किये जा रहे हैं। यदि डॉक्टर रहते तो रेफर नही होता, आए दिन जो रेफर हो रहा है ये रेफर कब खत्म होगा। इस पर मंत्री ने कहा कि प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। सिविल सर्जन 15 दिन के भीतर उपलब्ध कराने का दावा स्वास्थ्य मंत्री ने किया। चिकित्सक प्रथम श्रेणी के कुछ पदों समेत चिकित्सा अधिकारी के शत प्रतिशत पदों को 15 दिन के भीतर भरने की बात मंत्री ने कही जिस पर पुनः श्री राजवाड़े ने सदन में कहा कि मंत्री जी ने सेटअप और कमी बता दिया लेकिन यह जो प्रथा चल रहा है,जो डॉक्टर अपने घरो में मेडिकल दुकान लगाकर बैठे हैं यह कब तक समाप्त होगा व घर का दुकानदारी कब तक चलता रहेगा। उन्होने कहा कि डॉक्टर समय पर हॉस्पीटल नही आते एवं सेकेंड टाईम तो आते ही नही है इसलिए परेशानी हो रहा है। आए दिन जो भी बात होता है, सीधे पेट दर्द और हाथ दर्द, डिलीवरी के मामले में भी रेफर किये जाने का मुद्दा भईयालाल राजवाड़े ने सदन में उठाया। एनीस्थिसिया डॉक्टर जो कि बांड पर जिला अस्पताल मे कार्यरत है उसका कार्यकाल एक माह बाद समाप्त होने की जानकारी देते हुए श्री राजवाड़े ने कहा कि एक माह बाद क्या करोगे,गायनो और सर्जन नहीं हैं ऐसे हॉस्पीटल का क्या होगा। क्या सिर्फ रेफर का काम चलता रहेगा बंद नही होगा। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह मुद्दा कोरिया जिला में ही सुलझाया जा सकता था। जिसके बाद विधायक धरमलाल कौशिक ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में ऐसी स्थिति है। बांड भरा देते हैं बड़े लोगों के बच्चे सरकारी खर्चे में डॉक्टर बन जाते हैं, और फिर बांड भर कर चल देते हैं, बांड से कुछ नही होगा। एक अन्य सदस्य ने कहा कि मैनपुर और अमलीपदर स्वास्थ्य केन्द्र में जब लोग ईलाज कराने जाते हैं तो बोलते हैं यह रेफर सेंटर है, अभी अभी दो बच्चों की मौत मलेरिया से हो गई। मैनपुर के आगे अमलीपदर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में दो बच्चो की मौत साप काटने से हो गई सिर्फ इसलिए कि वहां ईलाज ना कर देवभोग रेफर कर दिया गया। इसके पश्चात पुनः विधायक भईयालाल राजवाड़े ने सवाल खड़ा कि जिला अस्पताल बैकुंठपुर में गायनोलाजिस्ट नही है, सर्जन नही है और एनीस्थिसिया विशेषज्ञ का एक माह बाकी है जब डिलिवरी या एक्सीडेंट केस आएंगे तो कैसे सुलझेंगे इस पर उन्होने स्वास्थ्य मंत्री से जवाब मांगा। और पुनः डॉक्टरों के द्वारा की जा रही दुकानदारी कब तक बंद होगी यह सवाल किया। अमला भेजकर जांच कराने की बात भी श्री राजवाड़े ने कही। एक अन्य महिला सदस्य ने बीच में ही कहा कि हास्पीटल में डाक्टर नही बैठते यह सभी विधानसभा में चल रहा है। हास्पीटल जाने पर अपने क्लीनिक बुलाया जाता है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान विधायक भईयालाल राजवाड़े द्वारा सवाल पर सवाल किया जा रहा था जिस पर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उन्हे बैठाने की कोशिश भी की गई लेकिन स्वास्थ्य सुविधा की दुर्गति को लेकर श्री राजवाड़े चुप नही हुए और उन्होने कहा कि हमारे क्षेत्र में आज कल छोटे छोटे बच्चों का हार्ट अटैक हो रहा है, कैंसर हो रहा है। दिल्ली से या और कहीं से डॉक्टर ला कर परीक्षण कराने की बात उन्होने कही। बैकुंठपुर जिला अस्पताल की दुर्दशा को ठीक करने का आग्रह भैयालाल राजवाड़े ने स्वास्थ्य मंत्री से किया।

जिला अस्पताल बैकुंठपुर में बंद है डायलिसिस मशीन

स्वास्थ्य सुविधा के लिए कोरिया जिला अस्पताल में हाहाकार मचा हुआ है,डायलिसिस मशीन भी बंद पड़ी हुई है,इसका मुद्दा श्री राजवाड़े ने सदन में प्रमुखता से उठाया। और कहा कि मशीन खराब पड़ी हुई है।

अजय चंद्राकर ने दिलाई स्वास्थ्य मंत्री को याद...घोषणा पूरी भी करनी होती है...

सदन में जब बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े स्वास्थ्य मंत्री से सवाल कर रहे थे तब स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सवालों का जवाब देते हुए डॉक्टरों के रिक्त पदों को 15 दिन के भीतर भरे जाने का दावा किया गया जिस पर टिप्पणी करते हुए पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि मंत्री जी जो घोषणा करते हैं उसे पूरा भी करना पड़ता है।

हर सप्ताह अस्पताल का दौरा कर रहे विधायक फिर भी बेमेतरा जिला अस्पताल की नहीं सुधरी चाल

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सदस्य ने कहा कि जो स्थिति बैकुंठपुर में है उससे ज्यादा दुर्गति बेमेतरा जिला अस्पताल में है। यह केवल रेफर सेंटर हो चुका है,उनके द्वारा हर सप्ताह जिला अस्पताल का दौरा करने के बावजूद स्थिति में सुधार ना होने की बात सदन में कही गई जिससे स्पष्ट है कि प्रदेश भर में स्वास्थ्य सुविधा चरमरा गई है।

क्या सदन में आपने जो बात स्वीकारी उस कमी को प्रकाशित करना भी है गुनाह?

बुधवार को विधानसभा सत्र के दौरान भईयालाल राजवाड़े समेत कई विधायकों ने अपने अपने क्षेत्र के चिकित्सालयों की कमी को सदन में उठाया। चिकित्सा स्टॉफ समेत अन्य पद रिक्त होने की जानकारी भी स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में दी,चिकित्सकों की कमी को भी उन्होनें खुद स्वीकार किया। जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री से सवाल है कि क्या सदन में आपने जो बात स्वीकार की है उसे भी प्रकाशित करने से पूर्व आपसे सलाह लेना पड़ेगा क्या ? मंत्री जी आपके द्वारा स्वीकार की गई कमी को प्रकाशित किया जा रहा है और यदि इसे भी प्रकाशित करना गुनाह है तो फिर गुनाह ही सही।

10 हजार स्टॉफ की भर्ती में पारदर्शिता कैसे होगी...

स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों समेत अन्य पदों पर लगभग 10 हजार से अधिक पदो पर भर्ती किये जाने की बात सदन में कही। जिसके बाद यह तय है कि आने वाले समय में बड़ी संख्या में पदों की पूर्ति की जाएगी लेकिन सवाल उठता है कि क्या दागी अफसरों को साथ लेकर चल रहे स्वास्थ्य मंत्री के राज में पारदर्शिता के साथ भर्ती हो पाएगी।

श्रम मंत्री रहते बंगले में मरीजों को ठहराते थे भईयालाल

प्रदेश के पूर्व श्रम एवं खेल कल्याण मंत्री भईयालाल राजवाड़े बैकुंठपुर से तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं वे अनुभवी नेता हैं,पहले कार्यकाल में उन्हे संसदीय सचिव बनाया गया जबकि दूसरे कार्यकाल में श्रम,खेल एवं युवा कल्याण मंत्री बनाया गया था। इस कार्यकाल में चुकि भाजपा ने नया प्रयोग करते हुए पहली बार में वरिष्ठ विधायकों को मौका नही दिया था फिर भी आगामी पुर्नगठन में उन्हे मंत्री पद देकर नवाजा जा सकता है। ज्ञात हो कि जब श्री राजवाड़े को रायपुर में शासकीय आवास मिला हुआ था तो उन्होने अपने लिए सिर्फ एक कमरा रखा था बाकी पूरा कमरा एवं बरामदे तक में मरीज एवं उनके परिजन के रहने की व्यवस्था की गई थी यही नही उनके द्वारा रेल्वे स्टेशन से अस्पताल एवं आवास तक मरीजो को लाने ले जाने एवं भोजन की व्यवस्था तक की जाती थी। हजारों की संख्या में मरीजों का ईलाज कराकर उन्होने एक कीर्तिमान स्थापित किया था।

स्वास्थ्य के प्रति गंभीर हैं राजवाड़े

पूर्व मंत्री एवं विधायक भईयालाल राजवाड़े स्वास्थ्य के प्रति काफी गंभीर हैं उनके यहां आज भी लोग ईलाज के लिए मदद मांगने जाते हैं जिनका हर संभव मदद श्री राजवाड़े द्वारा किया जा रहा है। स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता में है इसके लिए वे काफी गंभीर दिखलाई पड़ते हैं।

गरीबों की मदद में भी आगे

विधायक भईयालाल राजवाड़े को ईलाज वाले बाबा के साथ-साथ गरीबों का मसीहा भी कहा जाता है वे सदैव ही गरीबों के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखलाई देते हैं। गरीबी से उठकर मंत्री जैसा पद मिलने के बाद भी उन्होने गरीबों की सेवा करना नही छोड़ा जबकि आज मंत्री बनने के बाद लोग सब कुछ भूल जाते है।

समर्थक उत्साहित,भावनाओं का रखा जाना चाहिए ख्याल

प्रदेश में मंत्रिमंडल पुर्नगठन हो सकता है ऐसी खबरे रोज सुनने को मिल रही है ऐसे में भईयालाल राजवाड़े समर्थक कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखा जा रहा है। एक कार्यकर्ता ने कहा कि विधायक भईयालाल राजवाड़े स्वास्थ्य के प्रति लोगो का ध्यान रखते हैं मंत्री नही हैं उसके बाद भी मरीजो के लिए हर संभव प्रयास करते हैं ऐसे में उन्हे मंत्री पद देकर स्वास्थ्य विभाग की कमान देनी चाहिए। समर्थक का कहना है कि भईयालाल राजवाड़े को स्वास्थ्य मंत्री बनाये जाने से उनके अनुभव का लाभ भी मिलेगा।

हाल ही में जिला चिकित्सालय एवं एम्स में मिले मरीजों से

विधायक भईयालाल राजवाड़े स्वास्थ्य के प्रति गंभीर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे आए दिन चिकित्सालय पहुंचकर व्यवस्था में सुधार लाने की बात करते हैं। इसी सप्ताह उन्होने कोरिया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर करते हुए सुधार करने की बात कही थी। यही नही राजधानी रायपुर के एम्स अस्पताल भी पहुंचकर उन्होने भर्ती मरीज का हालचाल जाना एवं चिकित्सकों से बात कर बेहतर उपचार करने की बात कही थी।

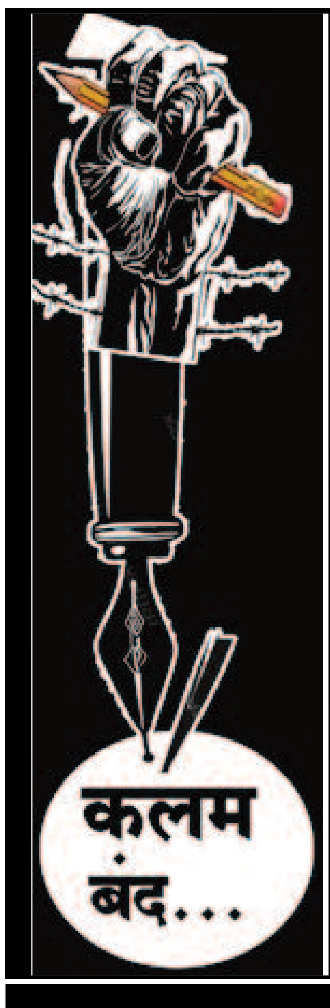

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

?

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

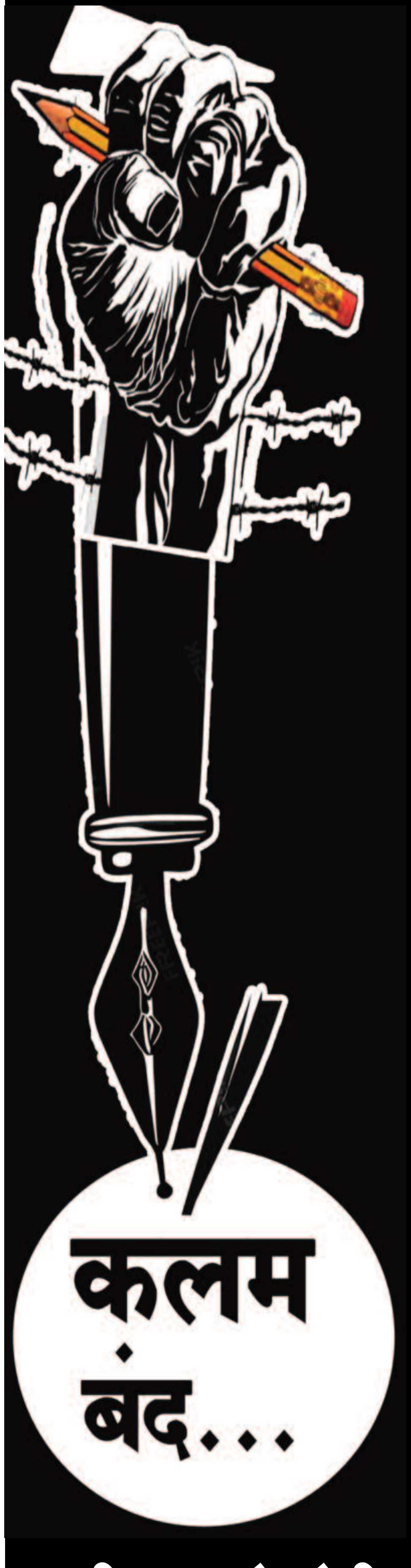

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

?

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,25 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

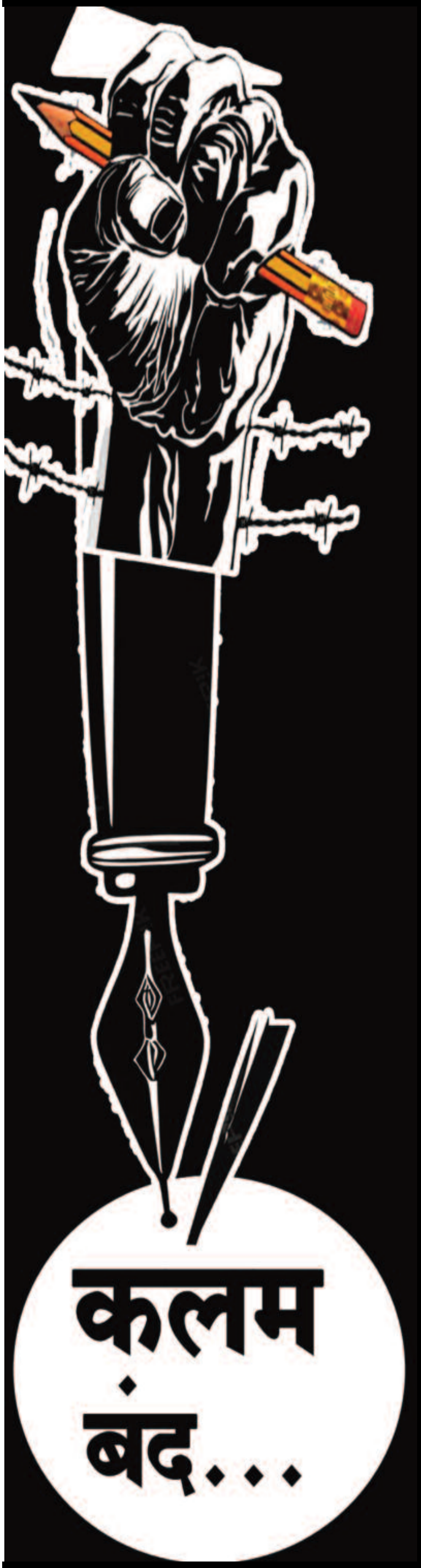

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

?

कलम बंद...का छब्बीसवां दिन

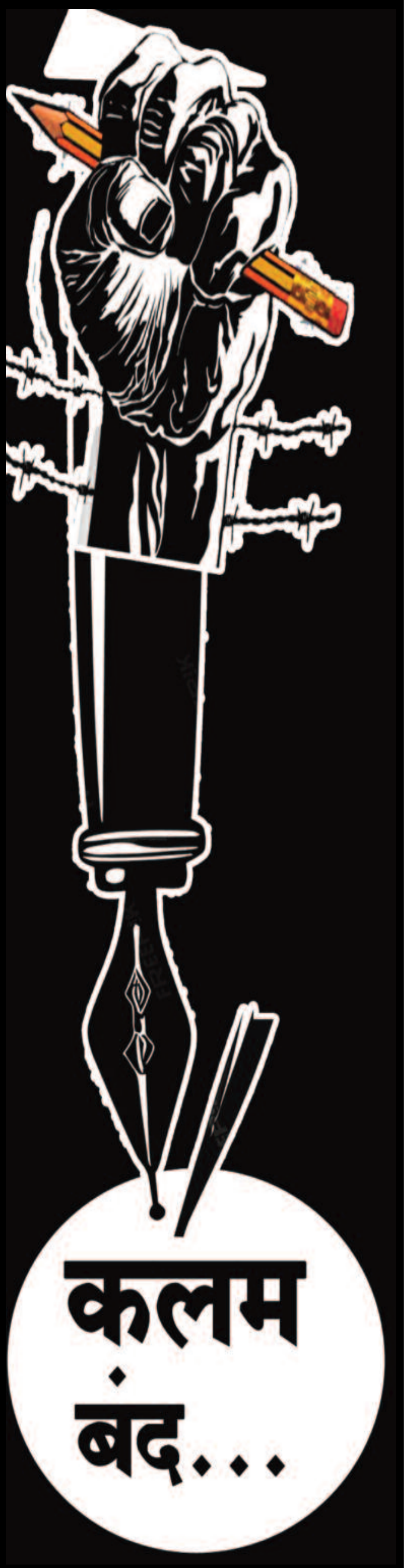

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,25 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

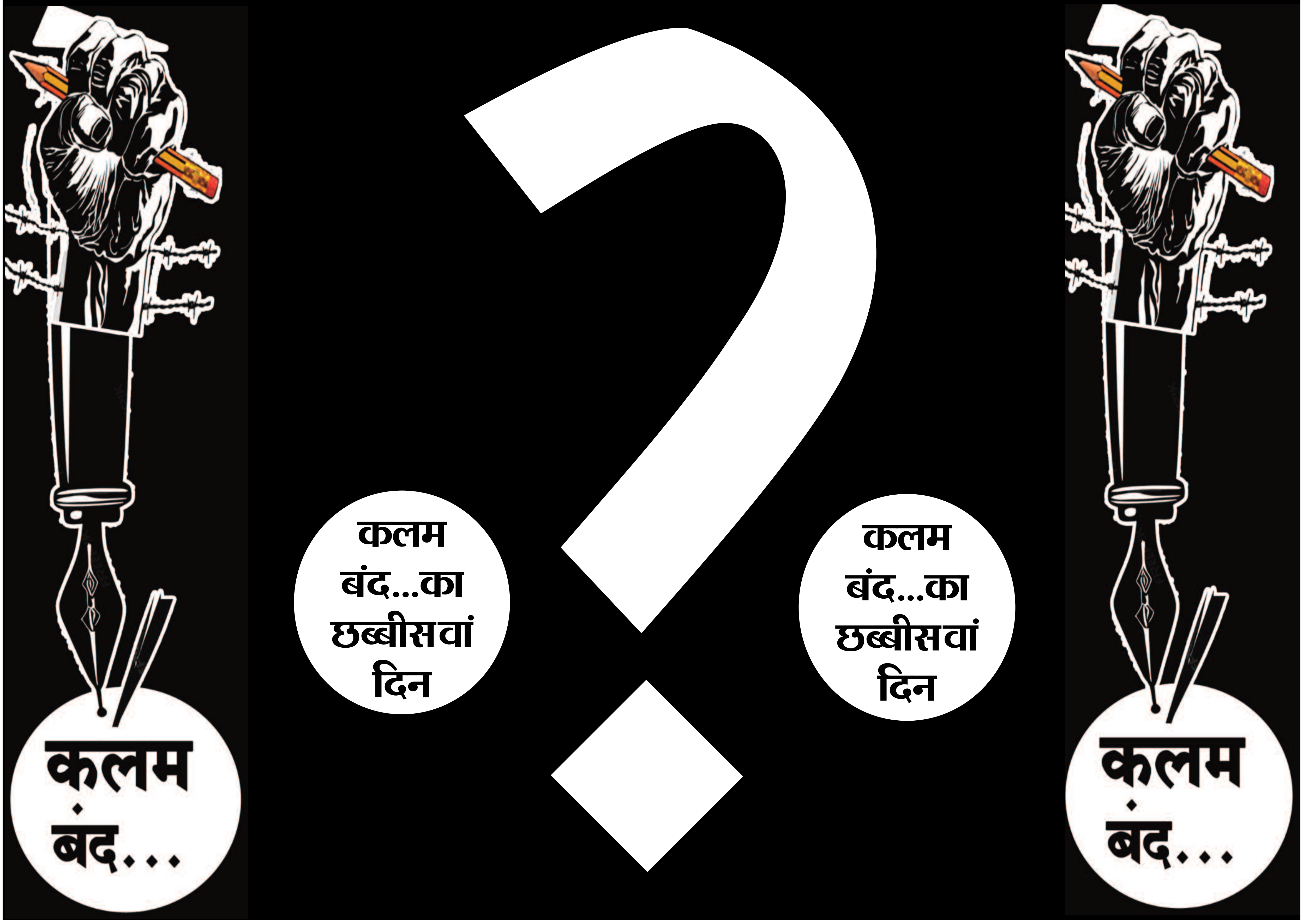

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

- भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
- कमी दिखाओ तो दिक्कत...
- जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

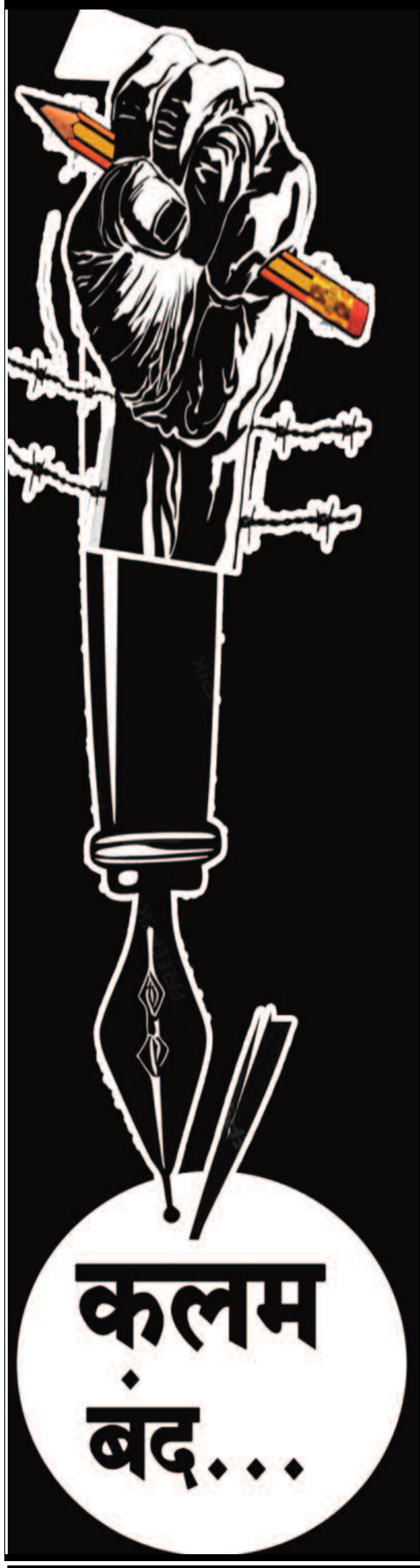

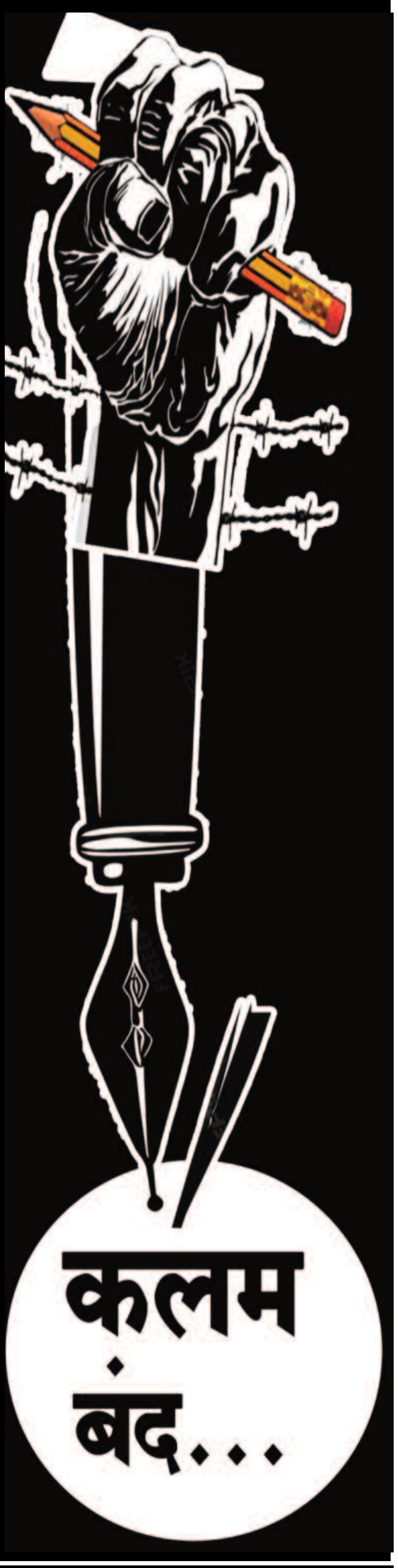

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

पीवी सिंधु के पास ऐतिहासिक कीर्तिमान बनाने का सुनहरा मौका

कोई भारतीय ओलंपिक में नहीं कर पाया ऐसा

पेरिस,25,जुलाई 2024। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ओलंपिक के इतिहास में दो मेडल जीतने वाले पहली भारतीय महिला प्लेयर हैं। उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा फिर टोक्यो ओलंपिक में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन जारी रखा और ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया था। अब पेरिस ओलंपिक में भी उनसे पदक की उम्मीदें हैं। अगर वह पेरिस ओलंपिक में मेडल जीत जाती हैं, तो वह ओलंपिक में 3 मेडल जीतने वाली पहली भारतीय प्लेयर बनेंगी। अभी तक कोई भी भारतीय खिलाड़ी तीन ओलंपिक मेडल नहीं जीत पाया है।

ओलंपिक में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल कर चुकी हैं नाम

रियो ओलंपिक में पीवी सिंधु ने सभी की उम्मीदों के उलट दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने अपने पहले मैच में लौरा सरोसी को 21-8, 21-9 से हराकर जल्द ही जीत हासिल की। इसके बाद उनका विजय अभियान नहीं रुका और उन्होंने सीधे फाइनल में जाकर ही दम ली। सिंधु का सेमीफाइनल में सामना नोजोमी ओकुहारा से हुआ। सेमीफाइनल में उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाया और उनके आगे नोजोमी ओकुहारा टिक नहीं पाईं। उन्होंने 21-19, 21-10 से सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली और फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। फाइनल में सिंधु को कैरोलिना मारिन से करारी हार झेलनी पड़ी। वह मारिन से 19-21, 21-12, 21-15 से हार गईं। इसी वजह से उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने चीन की हे बिंग जिओ को 21-13, 21-15 से हराया और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया।

मेडल जीतना है टारगेट

पीवी सिंधु ने कहा कि निश्चित रूप से पदक जीतना मेरा लक्ष्य है। यह पहला हो या दूसरा या फिर तीसरा यह मायने नहीं रखता। मैंने दो पदक जीते हैं और मैं तीसरे पदक के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनना चाहती हूं। जब भी मैं ओलंपिक में भाग लेती हूं तो वह मेरे लिए नया ओलंपिक होता है। इसलिए मैं जब भी ओलंपिक में खेलने के लिए उतरती हूं तो मेरा लक्ष्य पदक जीतना होता है। उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी। पीवी सिंधु ने कहा कि स्ट्रोक में बहुत अधिक आत्मविश्वास होना। महिला एकल में अब बहुत लंबी रैलियां और लंबी अवधि के मैच होते हैं और मैंने खुद को उनके लिए तैयार किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रतिद्वंदी के खिलाफ आपको अलग शैली अपनानी पड़ती है और सही समय पर सही स्ट्रोक लगाना आवश्यक होता है। प्रकाश सर ने इस बात पर जोर दिया और हमने इस पर काम किया। बहुत सुधार हुआ है। यह आपको कोर्ट पर नजर आएगा।

आर्चरी में भारतीय महिला टीम क्वॉर्टर फाइनल के लिए क्वॉलीफाई

पेरिस,25,जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 से भारत के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। आज आर्चरी में भारत की महिला और पुरुष दोनों टीमें एक्शन में हैं। आर्चरी में महिला टीम ने क्वालीफिकेशन रैंकिंग राउंड में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। इसी के साथ टीम ने क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। टीम साउथ कोरिया, चीन और मैक्सिको के बाद चौथे स्थान पर रही।

रैंकिंग राउंड में भारतीय महिला टीम की तिकड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, भजन कौर ने सही निशाने लगाए। अंकिता का व्यक्तिगत स्कोर 666, भजन कौर का व्यक्तिगत स्कोर 659 और दीपिका कुमारी का व्यक्तिगत स्कोर 658 रहा है। इस तरह से भारत का कुल स्कोर 1983 रहा है और भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही है। क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना 28 जुलाई को फ्रांस या नीदरलैंड्स में से एक से हो सकता है। इसी दिन मेडल भी डिसाइड हो जाएंगे।

क्वॉलीफिकेशन राउंड में भारत की महिला तीरंदाजों का प्रदर्शनः

व्यक्तिगत- दीपिका कुमारी - 658 (23वां स्थान)
भजन कौर - 659 (22वां स्थान)
अंकिता भक्त - 666 (11वां स्थान)

पहले स्थान पर रही साउथ कोरिया की महिला टीम
साउथ कोरिया महिला टीम ने 2046 स्कोर, चीन ने 1996 स्कोर और मैक्सिको की टीम ने 1986 का स्कोर किया और ये 3 टीमें भारत से आगे रही। इन तीनों टीमों ने भी क्वार्टरफाइनल के लिए अपनी जगह बना ली है। आर्चरी में साउथ कोरिया की टीम सबसे आगे रही और रैंकिंग राउंड में पहला स्थान हासिल किया।

क्वार्टर फाइनल मैच

दक्षिण कोरिया बनाम यूएसए/चीनी ताइपे
चीन बनाम इंडोनेशिया/मलेशिया
मेक्सिको बनाम जर्मनी/ग्रेट ब्रिटेन
भारत बनाम फ्रांस/नीदरलैंड्स

पुलेला गोपीचंद की पेरिस ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों को बड़ी सलाह

» ट्रेनिंग में ना करें अधिक प्रयोग

पेरिस,25,जुलाई 2024। भारत की तरफ से इस बार ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लेने 117 खिलाड़ियों का दल गया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित हो रहे इस बार के ओलंपिक खेलों में भारतीय खेल प्रशंसकों को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इसमें एक नाम रियो ओलंपिक और टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का भी शामिल है। वहीं भारत के मुख्य राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद खेलों महाकुंभ ओलंपिक में बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक बड़ी सलाह भी अपने बयान के जरिए दी है जिसमें उन्होंने उन्हें ट्रेनिंग के दौरान तैयारी में अधिक प्रयोग ना करने के लिए कहा है।

ट्रेनिंग को सही रखें, मैच में अपने आप प्रदर्शन सही होगा

पुलेला गोपीचंद ने पेरिस ओलंपिक 2024 की ओपनिंग सेरेमनी से ठीक एक दिन पहले दिए अपने बयान में कहा कि मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ियों के लिए सामान्य संदेश यही होगा कि इसे एक अन्य मुकाबले की तरह ही लें। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आप तैयारी के लिए कोई प्रयोग नहीं करें। इसे सरल रखें और इसे एक अन्य खेल की तरह ही लें, तैयारी सही करें और मैच अपने आप ठीक रहेंगे। पेरिस ओलंपिक में बैटमिंटन के 5 इवेंट होंगे जिसमें भारत के 7 खिलाड़ी 4 इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। इसमें पीवी सिंधु जहां महिला सिंगल, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन पुरुष सिंगल के इवेंट में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बैडमिंटन के पुरुष युगल इवेंट में हिस्सा लेंगे। वहीं अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रास्टो महिला युगल इवेंट में हिस्सा लेंगी।

सिंधु इस बार भी जीत सकती हैं पदक

बैडमिंटन के इवेंट में सभी की नजरें पीवी सिंधु पर टिकी रहने वाली हैं, जिनको लेकर पुलेला गोपीचंद ने उम्मीद जताई है कि वह इस बार भी पदक जीत सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि उनके पास शानदार मौका है। उसे शी बिंग जाओ और चेन यू फेई की चीनी जोड़ी के खिलाफ ड्रॉ मिला है और उसने पहले इन दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। बता दें कि सिंधु साल 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में चोटिल होने के बाद से जबसे वापसी की है उनका अब तक पुराना फॉर्म देखने को नहीं मिला है।

भारत की उभरती नंबर-1 टेबल टेनिस स्टार खिलाड़ी श्रीजा अकुला

पेरिस,25,जुलाई 2024। ओलंपिक गेम्स में पहली बार भारत की तरफ से पदकों की संख्या दहाई के आंकड़े तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है, जिसकी सबसे बड़ी वजह इस बार पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने गए 117 एथलीट्स के दल में कई ऐसे बड़े नाम शामिल हैं जो पदक जीतने की रेस में भी हैं। इसी में एक नाम टेबल टेनिस में भारत की मौजूदा वर्ल्ड रैंकिंग सिगल में नंबर-1 खिलाड़ी श्रीजा अकुला का भी शामिल है जो मनिका बत्रा, शरत कमल, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और अर्चना कामथ के साथ भारत की तरफ से इस इवेंट में हिस्सा लेंगी। श्रीजा अकुला ने पेरिस ओलंपिक के लिए टेबल टेनिस के सिगंल और महिला टीम इवेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

श्रीलंका में एक और बदलाव,टी 20 सीरीज से पहले संकट में टीम

कोलंबो,25,जुलाई 2024। भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज अब करीब है। सीरीज का पहला मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा, लेकिन इससे पहले श्रीलंकाई टीम परेशान है। उसकी टेंशन बढ़ती जा रही है। एक एक कर दो खिलाड़ी इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। हालांकि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। लेकिन ये पहली पसंद के खिलाड़ी नहीं हैं। सीरीज के लिए इस वक्त दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारी कर रही हैं। शनिवार और रविवार को लगातार दो दिन में ही दो मैच खेल लिए जाएंगे।

नुवान तुषारा की जगह दिलशान मधुशंका की टीम में एंट्री

श्रीलंका की टी20 टीम को एक और झटका लगा है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा भी भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह दिलशान मधुशंका को टीम में शामिल किया गया है। तुषारा सीरीज से बाहर होने वाले श्रीलंका के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले दुष्मंता चमीरा भी बाहर हो गए थे। बताया जाता है कि बुधवार शाम को फील्डिंग करते वक्त तुषारा के बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद नहीं लग रहा था कि वे जल्द ठीक हो पाएंगे, इसके बाद उन्हें सीरीज से बाहर करने का फैसला लिया गया।

तुषारा लगातार हो रहे टीम से बाहर

तुषारा एसए 20 के दौरान अपने स्लिंगी एक्शन के कारण चर्चा में आए थे, जहां उन्होंने एमआई केपटाउन के लिए खेला था और पांच मैचों में आठ विकेट हासिल करने में कामयाब हुए थे।हाल ही में उनका एलपीएल यानी लंका प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। जहां उन्होंने दांबुला सिक्सर्स के लिए खेला था। उन्होंने उनके लिए सात मैचों में आठ विकेट लिए थे। मधुशंका ने एलपीएल में भी दांबुला सिक्सर्स के लिए खेला था, लेकिन छह मैचों में उन्होंने केवल दो विकेट लिए थे। चोट के कारण वह इस साल की शुरुआत में आईपीएल से भी चूक गए थे और पिछले महीने खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में श्रीलंकाई टीम के लिए भी नहीं खेले थे।

तलाक की खबरों के बीच अभिषेक बच्चन की नई कार ने खींचा ध्यान

ऐश्वर्या राय की चॉइस का रखा गया है खास ध्यान!

अभिषेक बच्चन-ऐश्वर्या राय को लेकर पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की खबरें सुनने को मिल रही हैं वो काफी फैन्स को अच्छा नहीं लग रहा। दरअसल दोनों के तलाक की खबरों ने इस कदर सुर्खियां बटोरी हैं कि फैन्स भी परेशान हो उठे हैं। पिछले दिनों इनके अलग होने की खबरों को तब और हवा मिल गई जब अंबानी की पार्टी में ऐश्वर्या राय बेटी आराध्या को लेकर अलग से पहुंचीं और बाकी बच्चन परिवार अलग नजर आए और उनके साथ बेटी श्वेता बच्चन की पूरी फैमिली भी दिखी। वहीं इसके बाद इन खबरों में आग में घी का काम कर गया अभिषेक बच्चन का रिएक्शन, जिन्होंने तलाक से जुड़ी एक पोस्ट को लाइक किया था। अब जो खबर है वो उन फैन्स को राहत दे सकती है जो ये सोच रहे हैं कि वाकई दोनों में तलाक हो रहा है। दरअसल, पिछले दिनों अभिषेक बच्चन ने एक ऐसा काम किया है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि बीवी ऐश्वर्या के लिए ये सरप्राइज है।

अभिषेक बच्चन-ऐश्वर्या राय की शादी को 17 साल हो चुके हैं और तलाक की इन खबरों के बीच कुछ ऐसा हुआ है जो इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि दोनों के बीच चीजें अब भी सही हैं। बताया जा रहा है कि अभिषेक बच्चन ने एक नई लग्जरी कार खरीदी है और इस कार को लेकर ऐश्वर्या की एक खास चॉइस का भी उन्होंने ध्यान रखा है।

भांजे अगस्त्या और शाहरुख की बेटी सुहाना खान को लेकर जाते दिखे थे अभिषेक

पिछले दिनों अभिषेक अपने भांजे अगस्त्या नंदा और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान को अपनी कार में बिठा कहीं ले जाते दिखे थे। वैसे कहा जा रहा है कि अभिषेक बच्चन कूल मामू हैं और शायद वो इनलोगों को लॉन्ग ड्राइव पर लेकर गए थे या फिर उन्हें कहीं छोड़ने के लिए निकले थे। यहां आपको ये भी बता दें कि सुहाना और अगस्त्या की डेटिंग की भी काफी चर्चा है।

इस कार का नंबर 5050

वहीं अभिषेक जिस कार में इन्हें लेकर निकले थे, उसे लेकर बताया गया है कि उसके नंबर के आखिर में 5050 है। बताया ये भी जा रहा है कि ये नंबर ऐश्वर्या का फेवरेट नंबर है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी बताया जा रहा है कि नई कार का ये नंबर लेकर उन्होंने अपनी वाइफ ऐश्वर्या को सरप्राइज कर दिया। बताया जा रहा है कि पहले ऐश्वर्या और अभिषेक के पास सफेद मर्सिडीज़ बेंज हुआ करती थी, जिसका नंबर भी 5050 ही था।

आज की रात में तमन्ना भाटिया का डांस देख लोगों को याद आई नोरा की कमरिया,बोले-वो इन्हें निगल गई

तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया स्त्री 2 का पहला ट्रैक आज की रात 24 जुलाई को रिलीज किया गया। फैंस सोशल मीडिया पर डांस नंबर को लेकर बंटे हुए हैं। जहां फिल्म के दीवानों ने तमन्ना के डांस और उनकी अदाओं की तारीफ की है, वहीं बाकियों ने इसकी तुलना स्त्री से नोरा फतेही के कमरिया गाने से की है। गाने की शुरुआत तमन्ना के स्टेज परफॉर्मेंस के लिए तैयार होने से होती है और राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी उन्हें घूरते रहते हैं। जैसे ही वो कव्वाली गाने पर डांस शुरू करती हैं, सबकी निगाहें बस उन्हीं पर हैं। बाद में राजकुमार, पंकज, अपारशक्ति और अभिषेक भी उनके साथ शामिल हो गए और इन सबका डांस मजेदार है।तमन्ना भाटिया और मैडॉक फिल्म्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में गाना शेयर किया और इसे कैप्शन दिया, आज की रात होगी तबाही की रात! (भूत, आग और दिल वाले इमोजी)। फातिमा सना शेख के साथ कई सेलेब्स ने इस पर रिएक्ट भी किया है।

तमन्ना और नोरा की हुई तुलना

एक यूजर ने कमेंट किया, स्त्री की कमरिया की तुलना में कुछ भी नहीं था। एक यूजर ने लिखा, सबसे बेकार गाना। एक यूजर ने उनके कमेंट को कैप्शन भी दिया, पूरी तरह से आपदा है ये, खराब म्यूजिक और वाइब। एक यूजर ने कोरियोग्राफी की ओर इशारा करते हुए लिखा, इन दिनों कोरियोग्राफी में क्या खराबी है, बस ऐसे ही फालतू चीजें मिल रही हैं। एक यूजर ने लिखा, नोरा फतेही की कमरिया के आगे फेल।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्षम प्राधिकारी ,सूरजपुर , जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-तिलसिवां को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सविता पुत्री श्री रामऔतार राम, उम्र लगभग 57 वर्ष जाति कुर्मी निवासी ग्राम सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम तिलसिवां प.ह.न. 07, तहसील सूरजपुर स्थित खसरा क्रमांक 1016,1017 रकबा क्रमशः 0.012, 0.024 हे0 भूमि का व्यपवर्तन आदेश रा.प्र.क्र. 315/अ-2/2013-14 में पारित आदेश दिनांक 08/09/2014 को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किया गया है परंतु आवेदिका द्वारा उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन से बदलकर व्यावसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि माध्यम से दिनांक 29/7/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील — **विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर**

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

क्रमांक 312/वाचक/2024 सूरजपुर दिनांक 24/07/2024

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विनय कुमार आ0 स्व0 बिजेन्द्रलाल ,निवासी ग्राम कल्याणपुर पोस्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) एवं आवेदिका दिव्या झारिया आ0 मधु संजय झारिया,निवासी शत्रुहन साईकिल स्टोर के पास निवासी ग्राम आछोली, रायपुर उरला तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 15 के तहत विवाह पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है,आवेदन पत्र के साथ शपथ-पत्र,उम्र के सत्यापन हेतु अंकसूची की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। जिस पर न्यायालय द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति दावा हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 13.08.2024 को दिन के 2.00 बजे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

सील — अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-6 अ /2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधाण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फुलचंद मिस्त्री आ0 स्व0 प्रफुल्ल मिस्त्री,निवासी ग्राम डिगमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा त्रुटि सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वत्व एवं अधिपत्य की ग्राम सरगवां स्थित भूमि खसरा क्रमांक 317/1, 343/2 रकबा क्रमशः 0.410, 1.190 हे0 भूमि के संबंध में न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 के राजस्व प्रकरण क्रमांक 06/अ-27/2002-03 पक्षकार फुलचंद प्रति कोई नहीं में पारित आदेश दिनांक 03.06.2003 के तहत पटवारी को बंटवारा में प्राप्त हुआ है,किन्तु उक्त आदेश का पालन न करते हुए हल्का पटवारी द्वारा आवेदक के हिस्से की भूमि को त्रुटिवश अनावेदकगण के नाम पर दर्ज कर दिया गया है,जिसको सुधार किए जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/08/2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2**

न्यायालय तहसीलदार बैकुंठपुर , जिला कोरिया (छ.ग.)

ईकोर्ट रा0प्र0क्रं0 /अ-21/2023-24

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम जामपारा प0ह0न0 08 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सबूजा देवी पति दरोगा निवासी डोमनहिल तहसील चिरमिरी जिला एम.सी.बी. द्वारा अधिवक्ता माध्यम से आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम जामपारा प.ह.न. 08 तहसील बैकुण्ठपुर स्थित व्यपवर्तित भूमि ख.न. 40/20 रकबा 0.0380 हे0 आवेदिका के नाम पर स्थित है। जिसमें से आवेदिका 5 डिसमिल में आवेदिका का पक्का मकान निर्मित है। आवेदिका को पैसों की आवश्यकता होने के कारण शेष खाली सम्पूर्ण भूमि को विक्रय करने की अनुमति चाहा गया है।

अतः उक्त संबंध में हित रखने वाले व्यक्तियों को यदि कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 11/08/2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक 25/07/2024

सील — तहसीलदार बैकुण्ठपुर,जिला कोरिया (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

क्रमांक/1319/वाचक/तह./2024, रामानुजगंज दिनांक-23/07/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम-ताम्बेश्वरनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौर कान्त आईच आ0 स्व0 हीरालाल आईच निवासी ग्राम ताम्बेश्वरनगर थाना व तहसील रामानुजगंज-जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज(छ0ग0) के द्वारा आवेदक के पुत्र शभम आईच आ0 गौरकान्त आईच के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आए एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 08/08/2024 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — **तहसीलदार** रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रा0गंज (छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्षम प्राधिकारी ,सूरजपुर , जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मंजू देवी पति श्री हीरालाल, जाति पनिका निवासी ग्राम सूरजपुर,तहसील सूरजपुर व जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सूरजपुर प.ह.न. 11, रा.नि.म. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 2889/2 रकबा 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तित किए जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि माध्यम से दिनांक 07/08/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील — **विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर**

टी. सी. गुम सूचना

मेरा नाम वेदप्रकाश भारती आत्मज श्री शैलेन्द्र भारती निवासी मतुआपारा (सुभाषनगर) अम्बिकापुर जिला सरगुजा है। मैंने सन 2021 में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भगवानपुर से कक्षा 12 उत्तीर्ण किया है। मेरी कक्षा 12 की टी.सी. दिनांक 18.07.2024 को गांधीनगर सब्जी मार्केट के पास कहीं गुम हो गयी है। मुझे कॉलेज में एडमिशन कराना है।
अतः किसी सज्जन को मेरी उक्त टी.सी. मिले तो मुझे निम्न नाम/पते एवं मोबाइल नम्बर पर सूचित करने का कष्ट करें -
वेद प्रकाश भारती
आत्मज श्री शैलेन्द्र भारती
मतुआपारा (सुभाषनगर)
भगवानपुर, अम्बिकापुर
जिला सरगुजा छत्तीसगढ़
मो न - 8305203167

खुला पत्र

5 साल मंत्री बने रहने का कॉन्फिडेंस किसके भरोसे... आरएसएस या फिर तथाकथित भतीजे व विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारियों के भरोसे ?

- » स्वास्थ्य मंत्री को 5 साल मंत्री बने रहने का पूर्ण विश्वास पर यह विश्वास जनता के लिए किए गए किस महत्वपूर्ण कार्य के लिए है ?
- » क्या आरएसएस को भी मंत्री कर देंगे बदनाम... क्या आरएसएस की सोच के अनुसार चल पा रहे हैं मंत्री जी ?
- » मंत्री बनने के बाद उनके क्षेत्र में नहीं हुआ कोई बदलाव...पुराने को ही इन्होंने मौका देकर भ्रष्टाचार के लिए किया आगे ?
- » स्वास्थ्य मंत्री का विधानसभा ही बना अवैध कारोबारियों के लिए गढ़...खुद के क्रेशर में करवा रहे गिट्टी का अवैध उत्खनन:सूत्र
- » मनेन्द्रगढ़ के जुआरी हुए मरवाही शिफ्ट...किस मंत्री ने उस जिले के पुलिसकर्मियों से कराया सेटिंग ?
- » आखिर किस मंत्री ने जुआरियों को दिया संरक्षण जो दूसरे जिले में बड़े पैमाने पर करवा रहे जुआ...
- » कटरा व उसरा रोड के जंगल में चल रहा बड़े पैमाने पर जुआ:सूत्र...

फोटो फाईल

-रवि सिंह-

सरगुजा/रायपुर 25 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के विष्णुदेव साय कैबिनेट में यदि कोई सबसे सुर्खियों वाला मंत्री है तो वह स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल हैं वहीं वह किसी अच्छे कामों के लिए प्रसिद्ध नहीं हैं बल्कि अपने खुद के विभाग के कमियों को लेकर भ्रष्टाचारों को लेकर अपने विधानसभा क्षेत्र में अवैध कारोबार को लेकर वह सुर्खियों में हैं। इसके बावजूद इन्हें 5 साल मंत्री बने रहने का जो कॉन्फिडेंस है वह भी कहीं ना कहीं कई सवाल खड़ा करता है। आखिर यह कॉन्फिडेंस किसी महत्वपूर्ण कार्य की वजह से वह रखे हुए हैं। क्या है यह कॉन्फिडेंस एक अखबार को लिखने से रोकने से मिला है या फिर इन मंत्री पर भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री का संरक्षण है? या फिर आरएसएस का इन्हे यह छूट है की कुछ भी करो चाहे वह भ्रष्टाचार ही क्यों न हो। क्या आरएसएस का नाम बदनाम करने की वजह से या फिर अपने तथाकथित भतीजे व अपने आसपास ओएसडी को लेकर या फिर अपने विभाग में ऐसा कौन सा अच्छा काम कर गए हैं जिसे जनता इन्हें दोबारा फिर से मौका देगी या फिर उनकी खुद की ही पार्टी इन्हें 5 साल मंत्री बनाए रखेगी। स्वास्थ्य मंत्री ऐसा कौन सा नजीर पेश कर दिए हैं कि इन्हें कॉन्फिडेंस है कि वह 5 साल स्वास्थ्य मंत्री बने रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री भले ही 5 साल बने रहने को लेकर आश्वस्त हैं पर स्थितियां उनके अनुकूल हैं उनके विधानसभा की जनता उनके कार्यों से खुश नहीं है खुद के उनके पार्टी के लोग इनसे खुश नहीं है। भले ही स्वास्थ्य मंत्री पूरे छत्तीसगढ़ में लोकप्रिय हैं पर अपने विधानसभा में अपनी लोकप्रियता खोते नजर आ रहे हैं इनके सहयोगी से लेकर उनके खास लोग उनकी नईया डुबाने के लिए प्रयासरत है और इनका खुद का विवेक भी इनके लिए समस्या बन रहा है। अभी तक के उनके कार्यकाल पर यदि नजर डाला जाए तो स्वास्थ्य विभाग आज भी पटरी से उतरा हुआ है और पटरी पर चढ़ने की उम्मीद तो ना के बराबर है क्योंकि पुराने लोगों के ही भरोसे वह उन्हें मौका देकर स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था को पटरी पर लाना चाह रहे है जिसे स्वास्थ्य विभाग को भ्रष्टाचार की ओर धकेलने का एक प्रयास माना जा सकता है। खुद के जिले व विधानसभा की स्थिति अच्छी नहीं है। उनके विधानसभा में गुंडाराज आ चुका है। तलवार चल रहे हैं घर के दरवाजे तोड़े जा रहे हैं। अस्पताल के

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 02 मार्च 2024 | 5

विष्णु सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कांग्रेसी युवा को सौंप दी शासकीय आवास की जिम्मेदारी ?

जिस युवक के सोशल मीडिया पोस्ट में दिखती है संघ और भाजपा के खिलाफ विचारधारा उसी युवक को क्यों सर पर बैठा रखे हैं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी ?

डॉक्टर और कर्मचारी दहशत में हैं क्योंकि उन्हे भी काम के दौरान गलिगलौज का समाना करना पड़ रहा है,अवैध कारोबार तेजी से फल फूल रहा है जिस अवैध कारोबार को लेकर भ्रष्टाचार की बारात खुद विपक्ष में रहते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने निकाला था आज खुद उसी भ्रष्टाचार की गाड़ी पर सवार हो गए हैं अब उनके विरुद्ध कौन भ्रष्टाचार की बारात निकलेगा वह भी आने वाला समय में देखने को मिलेगा क्योंकि पूर्व विधायक तो स्वास्थ्य मंत्री के सामने नतमस्तक नजर आ रहे हैं क्योंकि उनका पेशा ही डॉक्टरों वाला है जिसमे स्वास्थ्य मंत्री से पंगा लेना गलत हो सकता है कुल मिलाकर अब स्वास्थ्य मंत्री पूरी तरह यह तय कर चुके हैं

की वह हर जगह हांथ अजमायेगें चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो ।

क्या अपनी करनी से आरएसएस का भी नाम डुबाएंगे...

स्वास्थ्य मंत्री की करनी जो वर्तमान में जारी है को लेकर यह सवाल उठता है की क्या वह अपनी करनी से आरएसएस का भी नाम डुबायेंगे। स्वास्थ्य मंत्री के अब तक के कार्यकाल में स्वास्थ्य विभाग वेंटीलेटर पर ही है वहीं उनके अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था का और बुरा हाल है वहीं कानून व्यवस्था सहित अवैध कारोबार भी चरम पर है। घर में घुसकर तलवार चलाए

फोटो फाईल

फोटो फाईल

जा रहे हैं और पुलिस प्राथमिकी भी दर्ज करने से डर रही है जबकि जब दबाव में वह प्राथमिकी दर्ज कर भी रही है तो वह काउंटर प्राथमिकी दर्ज कर रही है जिससे आतंक फैलाने वालों को बचाया जा सके। कुल मिलाकर स्वास्थ्य मंत्री अब कानून व्यवस्था से ऊपर खुद सहित अपने लोगों को रखना चाह रहे हैं जिससे की कहीं न कहीं शासन सहित आरएसएस की ही छवि धूमिल हो रही है। वैसे आरएसएस पूरे मामले में क्यों मौन है यह भी बड़ा सवाल है क्योंकि वह सबकुछ देख सुन रहा है और मौन है और स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में रामराज्य की परिभाषा ही बदल चुकी है।

आम आदमी पार्टी भी लगा चुकी है स्वास्थ्य मंत्री पर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बड़े आरोप

आम आदमी पार्टी भी स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग को लेकर बड़े आरोप लगा चुकी है। आम आदमी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है की स्वास्थ्य मंत्री के खुद के क्षेत्र में ही मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा मिल पाना दूभर हो रहा है। नवीन जिले में सीएमएचओ को लेकर अलग ही विवाद है क्योंकि वह अपने घर पर ही इलाज करना पसंद करते हैं और सोनोग्राफी भी खुद करते हैं जबकि वह शायद ही सोनोलॉजिस्ट हैं।अब इस मामले में किसका संरक्षण है यह बड़ा सवाल है। वैसे जब कांग्रेस की सरकार थी तब सीएमएचओ को लेकर बड़ा विरोध हुआ था भाजपाई भी विरोध में आगे आए थे लेकिन सत्ता बदलते ही पुराने ही अपने हो गए यह एक विचित्र संयोग देखने को मिला।

स्वास्थ्य मंत्री के पीए से लेकर उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी व तथाकथित भतीजा भी बने चुके हैं समस्या

स्वास्थ्य मंत्री के लिए उनके पीए उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी और उनके तथाकथित भतीजा सभी समस्या बन चुके हैं। उनके पीए अलग ही जुगाड में व्यस्त हैं और सूत्रों की माने तो मरवाही तक वह दौड़ लगा रहे हैं वहीं उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी की भी नौकरी फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर है और जिसकी शिकायत हुई है और जिसकी जांच भी नहीं की जा रही है वहीं उनके तथाकथित भतीजे की बात करें तो वह खुद को ही स्वास्थ्य मंत्री बताने से पीछे नहीं हटते। प्रभारी डीपीएम संविदा पद में कार्य करने के बावजूद वह जिस तरह जिले के कलेक्टर के करीब रहते हैं और सभी निर्णयों में सीएमएचओ से भी ऊपर जाकर निर्णय लेते हैं यह कहना गलत नही होगा की उन्हे खुली छूट है वहीं वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश की वही सर्वे सर्वा हैं और वही स्वास्थ्य मंत्री की जगह निर्णय लेने में सक्षम।कुल मिलाकर यह तीनों समस्या ही हैं।

आखिर भाजपा के किस नेता ने तय कर दिया कि स्वास्थ्य मंत्री 5 साल बने रहने वाले हैं वहीं वह जो करना है करते रहें पार्टी की जितनी छवि खराब करनी है करें ?

वैसे सवाल यह भी है की स्वास्थ्य मंत्री पूरे पांच साल मंत्री रहने वाले हैं यह उनका दावा है और अब इस दावे के बीच सवाल यह है की उन्हे किस नेता ने यह विश्वास दिलाया है की वह पांच साल बने रहने वाले हैं। पांच साल मंत्री रहकर वह पार्टी की छवि खराब करते रहे किस नेता ने उन्हे यह छूट दी है यह भी एक सवाल है।

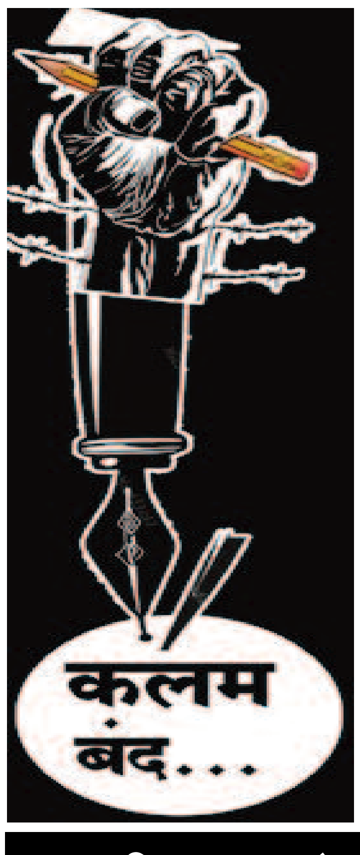

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | एमसीबी-कोरबा-कोरिया-बलरामपुर-समाचार | अम्बिकापुर ,बुधवार 24 जनवरी 2024 | 6

संघ,भाजपा और मोदी विरोधी युवक को स्वास्थ्य मंत्री आखिर क्यों दे रहे बढावा ?

क्या कांग्रेसी प्रेम दिखला रहे मंत्री श्याममबिहारी जायसवाल ?

युवक के सोशल मीडिया पेज से दिखा,संघ और मोदी के खिलाफ जहर उगलता है कांग्रेसी युवक

रायपुर में मंत्री के शासकीय आवास से लेकर मंत्रालय तक सक्रिय है युवक

संघ,भाजपा,मोदी विरोधी युवक को दे रहे शरण

क्या दागी सहयोगियों स्टाफ व दलबदलू युवा के भरोसे स्वास्थ्य विभाग चलाएंगे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ?

अंततः स्वास्थ्य विभाग ने एक स्टाफ की नियुक्ति निरस्त हुई जो पूर्व में मंत्री अमरजीत भगत के साथ थे...

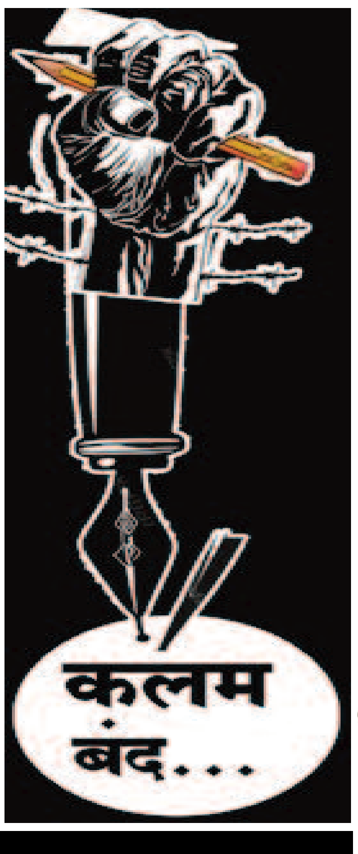

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)